RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश



LIVE STREAMING 04-06-2024 7:00 PM

चालुक्य वंश

1. वातापी (बादामी) के चालुक्य मुख्यशाखा

Chalukyas of Vatapi (Badami) → main branch

पश्चिमी शाखा west branch

कर्नाटक

2. वेंगी के चालुक्य → पूर्वी चालुक्य Chalukyas of Vengi → Eastern Chalukyas

3. कल्याणी के चालुक्य → पश्चिमी शाखा Chalukyas of Kalyani → Western Branch

आंध्र प्रदेश

केरल

① पुलकेशिन I (543-566 AD)

⇓

② कीर्तिवर्मन I (566 AD - 597 AD)

⇓

③ मंगलेश (597 AD ✓ - 609 AD)

⇓

④ पुलकेशिन II (610 AD - 642 AD)

⇓

⑤ विक्रमादित्य (655 AD - 680 AD)

⇓

⑥ विनयादित्य (680 - 696 AD)

⇓

⑦ विजयादित्य (696 - 733 AD)

⇓

(8) विक्रमादित्य (733 - 746 AD)

⇓

अंतिम शासक

⇓

कीर्तिवर्मन II (746 - 757 AD)

→ दंतिदुर्ग (इनके सामंत/मंत्री) ने इसे परास्त

कर दिया तथा राष्ट्र नये वंश
राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की।

1. बादामी (वातापी) के चालुक्य बीजापुर (कर्नाटक) Bijapur (Karnataka)

के बारे में जानकारी - महाकूट अभिलेख से मिलती है

Information about - comes from Mahakoot record

- ★ मुख्य शाखा main branch
- ★ शासन काल - [543 - 757 ई०] Reign [543– 757AD]
- ★ संस्थापक पुलकेशिन प्रथम (543 – 566 AD)

  Founder - Pulakeshin I (543 -566 AD)

  स्वतंत्रता → पुलकेशिन I
- ★ पुलकेशिन I के पूर्वज जयसिंह राणा राग कदम्ब शासको के अधीन थे

  Pulakeshin I's ancestor Jaisingh Rana was subordinate to the Raga Kadamba rulers.

★ पुलकेशिन I ने स्वयं को स्वतंत्र कर चालुक्य वंश की स्थापना की

Pulakesin I made himself independent and founded the Chalukya dynasty

- पुलकेशिन I की उपाधियाँ Titles of Pulakeshin I
  - श्री पृथ्वी वल्लभ Mr. Prithvi Vallabh
  - रण विक्रम Ran Vikram

कदम्ब शासक - कर्ना० → कर्नाटक

राज० - वनवासी/ बैजयंती

संस्थापक- मयूर शर्मन

पुत्र →
(1) कीर्तीवर्मन I Kirtivarman I (566-597 AD)
(2) मंगलेश Manglesh (597-610 AD)

18 अश्वमेघ यज्ञ कराए → सबसे ज्यादा अश्वमेघ यज्ञ करवाये।

★ कीर्तीवर्मन I ने अपने क्षेत्र के विस्तार करते हुए मोर्यो को हराया

Kirtivarman I defeated the Moryos expanding his territory.

कदम्ब वंश

↳ संस्थापक → मयूर शर्मन

कीर्तिवर्मन I

↓

वनवासी का कदम्ब वंश। कीर्तिवर्मन I ने अपने राज्य मिला लिया।

↓

इस समय कदम्ब वंश का शासक अजय वर्मा था। → इसको कीर्तिवर्मन I ने हरा दिया।

- कीर्तिवर्मन प्रथम के द्वारा कोंकण विजय के फलस्वरूप गोवा का प्रमुख बंदरगाह चालुक्य साम्राज्य के अधीन आ गया। (गोवा उन दिनों रेवती द्वीप के नाम से प्रसिद्ध था)

⇒ कीर्तिवर्मन I को वातापी का निर्माणकर्ता कहा जाता है।

मंगलेश (597-609 AD)

- कलचुरि नरेश बुद्धराज को पराजित किया।
- वैष्णव धर्म का अनुयायी (follower)
- "परमभागवत" की उपाधि धारण की
- बादामी के गुहा मंदिर (विष्णु भगवान को समर्पित) का निर्माण कार्य पूरा करवाया जो कीर्तिवर्मन प्रथम द्वारा निर्मित था।

★ उपाधि - सत्याश्रय, रण पराक्रम

Title - Satyashraya, Battle Might

1 अश्वमेघ यज्ञ, वाजपेयी यज्ञ

1 Ashwamedha Yagya, Vajpayee Yagya

कीर्तिवर्मन I , → मंगलेश

★ पुलकेशिन II (610 – 642 AD)

Pulakeshin II (610 – 642 AD

• (चाचा) मंगलेश को हत्याकर स्वयं गद्दी पर बैठा

(Uncle) Manglesh himself sat on the throne after killing

पुलकेशिन I का पौत्र

कीर्तिवर्मन I का पुत्र

★ उपाधि परम भट्टारक, महाराजाधिराज

Title - Param Bhattarak, Maharajadhiraj

★ राजकवि - रविकिर्ती ने Rajkavi Ravi Kirti

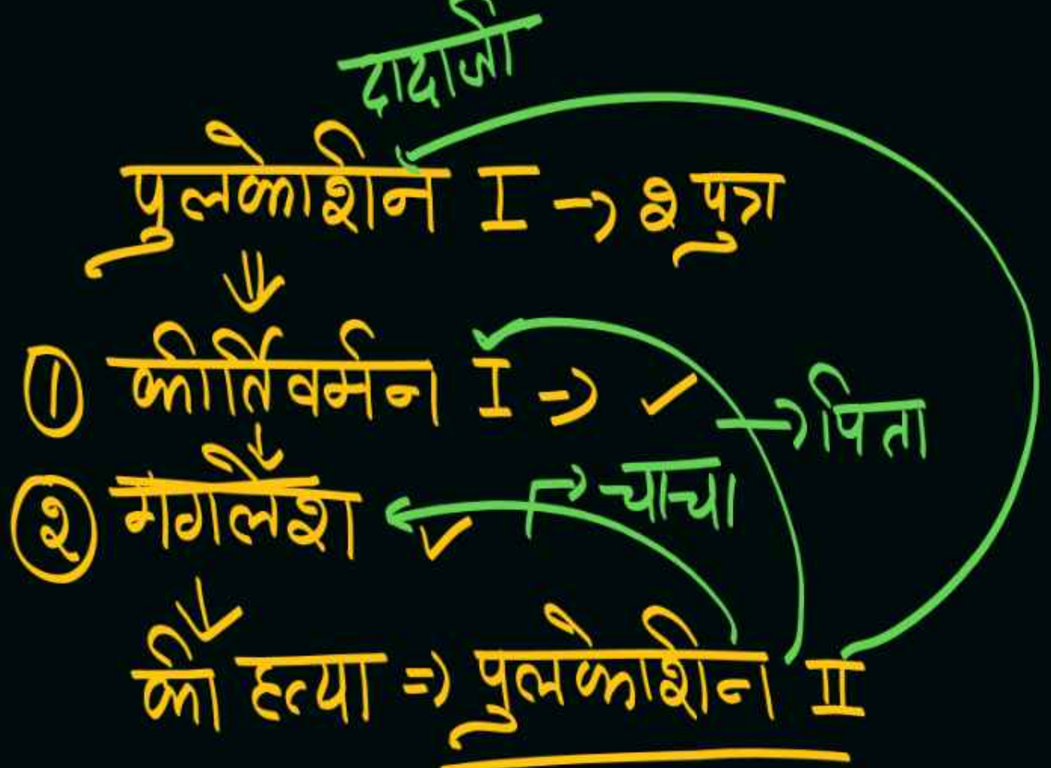
राजधानी बादामी

Capital → Badami

राजभाषा → कन्नड़ संस्कृत

Official Language Kannada

Sanskrit


दादाजी
पुलकेशीन I → 8 पुत्र
① कीर्तिवर्मन I → ✓ → पिता
② मंगलेश ← ✓ ← चाचा
की हत्या ⇒ पुलकेशीन II

एहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया (634 ई०)

Alihole (Ehod) record issued → (634. AD)

रविकीर्ति

(संस्कृत भाषा) (Sanskrit language)

पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's conquests

हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है

Information is received about the defeat of Harshavardhana.

पुलकेशिन II ने हर्षवर्धन को हराया

- पुलकेशिन II) ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two capitals

1. वातापी Vatapi
2. वेंगी Vengi

अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brotherVishnuvardhan